

मन की बात में पीएम बोले- आतंकियों को करारा जवाब देंगे



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 138वें एपिसोड में आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को लेकर कहा कि देश जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है। आतंकवादी अगर भारत की ओर आंख उठाकर देखेंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने 28-29 सितंबर 2016 को हुई सर्जिकल स्ट्राइक का उल्लेख करते हुए कहा कि उरी में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने सीमा पार जाकर आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई ने दुनिया को भारत की बदलती नीति का स्पष्ट संदेश दिया।प्रधानमंत्री ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि आतंकवाद का जवाब मजबूत और निर्णायक तरीके से दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक भारत की आतंकवाद के खिलाफ दुद्व नीति का महत्वपूर्ण उदाहरण है।मोदी ने जनगणना को राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए लोगों से अपनी और परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना का पहला चरण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग पूरा हो चुका है और 32 करोड़ से अधिक परिवारों का डेटा दर्ज किया जा चुका है।महात्मा गांधी की जयंती का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वच्छता को उनके जीवन के महत्वपूर्ण संदेशों में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर स्वच्छता से जुड़े फोटो, वीडियो और रील्स के जरिए लोग अभियान से जुड़ रहे हैं।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा पर थपड़ मारने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा पर थपड़ मारने का आरोप लगा है। दरअसल, आम आदमी पार्टी एक वीडियो शेयर कर रही है, जिसमें दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा एक युवक को थपड़ मारते नजर आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी दावा कर रही है कि सवाल पूछने पर प्रवेश वर्मा ने युवक को थपड़ मारा। दरअसल, आज प्रवेश वर्मा तिलक नगर इलाके में सड़क निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे थे, जहां पर स्थानीय ऋविधायक जरनैल सिंह के साथ उनके समर्थक मौजूद थे। सड़क की कालिका को लेकर प्रवेश वर्मा और्र ऋविधायक जरनैल सिंह के बीच बहस हुई, जिसके बाद ऋकार्यकर्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया।

इसी दौरान, ऋविधायक जरनैल सिंह के सोशल मीडिया का काम देखने वाला शख्स प्रवेश वर्मा के सामने आकर वीडियो बनाने लगा। हालांकि, प्रवेश वर्मा और जरनैल सिंह के बीच क्या बात हुई, ये बात आंडियो और वीडियो में समझ नहीं आ रही है। लेकिन इसके बाद प्रवेश वर्मा ने शख्स को थपड़ जड़ दिया।

एशियाड में एथलेटिक्स का पदकों का पंच: भारत ने एक दिन में जीते पांच मेडल

एंसी-सरवेश के रजत पर हरिता-तेजस्विन-पारुल ने चढ़ाया कांस्य

आइची नागोया। यशभारत। एशियन गेम्स 2026 में रविवार का दिन भारतीय एथलेटिक्स के लिए शानदार रहा। ट्रेक एंड फील्ड स्पर्धाओं में भारत ने एक ही दिन में पांच पदक जीतकर दमदार प्रदर्शन किया। एंसी सोजन और सरवेश कुशारे ने रजत पदक हासिल किए, जबकि हरिता भद्रा, तेजस्विन शंकर और पारुल चौधरी ने कांस्य पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के बीच अनिमेष कुजूर और शैली सिंह पदक से चूक गए, जबकि महिला 444100 मीटर रिले टीम में फाइनल में जगह बनाकर सोमवार के लिए उम्मीद कायम रखी।

महिलाओं की 200 मीटर दौड़ में हरिता भद्रा ने 23.20 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने जापान की धाविका को महज 0.01 सेकंड से पीछे छोड़ा। सिंगपुर की वेरोनिका शांति परेरा ने 22.78 सेकंड में स्वर्ण और चीन की चेन युजी ने 22.93 सेकंड में रजत जीता। हरिता का पदक इस स्पर्धा में भारत के लंबे इंतजार को खत

मुंबई, रायपुर , जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, इंदौर, दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यशभारत

● वर्ष-01 अंक-131● मुंबई ● सोमवार, 28 सितम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 2 ● विक्रम संवत्

केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन से हजारों श्रद्धालु फंसे

अर्नब का कहर! यूपी में 58 लोगों की मौत, बिहार के 50 गांव जलमग्न

लखनऊ/नई दिल्ली , यशभारत। पहाड़ से मैदान तक मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा दी है। 'बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान अर्नब का असर उत्तर प्रदेश में लोगों के लिए मौत का का कहर बनकर टूटा। अलग-अलग हादसों में उत्तर प्रदेश में दीवार और कच्चे मकान ढहने, पेड़ व बिजली के पोल गिरने जैसे हादसों में 58 लोगों की मौत हो गई। 117 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। लखीमपुर खीरी में 342 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि बांदा, हमीरपुर और कानपुर में बारिश ने पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए।

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लगातार भूस्खलन से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रास्ते में फंस गए हैं। पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने के कारण मार्ग खोलने में भी दिक्कत आ रही है। खराब मौसम को देखते



हुए प्रशासन ने केदारनाथ धाम यात्रा को 27 सितंबर तक स्थगित कर दिया है। हेलीकॉप्टर सेवाएं भी मौसम खराब होने के कारण प्रभावित हैं। चारधाम यात्रा को भी सुरक्षा कारणों से रोक दिया गया है। उत्तराखंड के देहरादून, टिहरी, पौड़ी और हरिद्वार में रेड अलर्ट जारी किया है। उत्तरकाशी, चमोली, नैनीताल और रुद्रप्रयाग में ऑरेंज अलर्ट है, जबकि बागेश्वर, अल्मोड़ा,

मुंबईकरों ने जमकर मंगाए मोदक, एक ग्राहक ने खर्च किए 3.88 लाख रुपए

गणेशोत्सव में ऑनलाइन खरीदारी का नया रिकॉर्ड, मोदक की मांग रही सबसे ज्यादा

मुंबई, यश भारत। गणेशोत्सव के दौरान मुंबईकरों ने ऑनलाइन खरीदारी में मोदक, मिठाई, फूल और पूजासामग्री की जमकर खरीदारी की। इंस्टामार्ट के 14 से 23 सितंबर के ऑर्डर आंकड़ों के अनुसार, मोदक सबसे अधिक पसंद किए गए। गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले प्रति मिनट करीब 100 मोदक के ऑर्डर दर्ज किए गए।

मुंबई के एक ग्राहक ने अकेले मोदक खरीदने पर 8,277 रुपए खर्च किए। 13 सितंबर की सुबह 10-12 बजे मोदक के ऑर्डर सबसे अधिक रहे। इसी दिन दोपहर 2.27 बजे मिठाई की मांग चरम पर पहुंची। गणेश चतुर्थी के दिन सुबह 7.45 बजे फूल और 8.47 बजे पूजासामग्री के ऑर्डर सबसे ज्यादा रहे। 19 सितंबर को सफाई सामग्री की मांग में भी



बढ़ोतरी दर्ज की गई।गणेशोत्सव के दौरान सोने-चांदी के सिक्कों की खरीदारी भी हुई। भायखला के एक ग्राहक ने अलग-अलग ऑर्डर में कुल 3.88 लाख रुपए खर्च किए। इसमें 24 कैरेट सोने का सिक्का, मोतीचूर लड्डू, काजू कतली, फूलों की माला और पूजासामग्री शामिल थी।

सीजेपी का चुनाव आयोग के खिलाफ 2 अक्टूबर को मुंबई में प्रदर्शन

मुंबई, यश भारत। चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कांक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आंदोलन का एलान किया है। पार्टी ने 2 अक्टूबर को दादर स्थित शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की अनुमति के लिए मुंबई पुलिस को पत्र सौंपा है। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रमुख अजिंक्य शिंदे ने यह पत्र पुलिस को दिया है।

पार्टी का कहना है कि आंदोलन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से किया जाएगा। चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों को लेकर प्रस्तावित इस प्रदर्शन को सामाजिक



कार्यकर्ता सोनम वांग्चुक ने भी समर्थन दिया है। हालांकि, उन्होंने आंदोलन में स्वयं शामिल होने की संभावना से इनकार किया है।वांग्चुक ने कहा कि किसी भी आंदोलन को किसी एक व्यक्ति के भरपore नहीं रहना चाहिए, बल्कि लोगों की भागीदारी से उसे आगे बढ़ना चाहिए। इस मुद्दे को लेकर कई

लोग सामने आ रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त एस.एस. संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान मतदाता पंजीकरण, नाम हटाने और बहाल करने तथा मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनर्तपासणी से जुड़े फैसलों पर कई बार लिखित आपत्ति दर्ज कराई थी।

उदयपुर में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, 2 करोड़ की रिश्तत लेते एसओजी एसपी का कथित दलाल गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के उदयपुर में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए स्पेशल ऑपरेशंस रुप (एसओजी) के एडिशनल एसपी मुकेश कुमार सोनी के नाम पर 2 करोड़ रुपए की रिश्तत लेते एक कथित बिचौलिए को रोहताथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सज्जन कुमार के रूप में हुई है। एसीबी के अनुसार, रिश्तत की रकम एक मुकदमे में मदद और राहत दिलाने के एवज में मांगी गई थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पहले मामले का सत्यापन कराया।



शिकायत सही पाए जाने के बाद टीम ने रिश्तत की रकम के लेन-देन पर नजर रखी और कार्रवाई की। इसी दौरान सज्जन कुमार को 2 करोड़ रुपए नकद लेते हुए पकड़ लिया गया। एसीबी का कहना है कि

आज से 30 सितंबर तक बैंक कर्मचारी हड़ताल पर



यूपीआई एटीएम पर नहीं पड़ेगा बड़ा असर, शाखाओं के काम होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, यशभारत। यूनाइटेड फोर्म ऑफ बैंक यूनियंस (FBU) के आह्वान पर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय देशव्यापी बैंक हड़ताल का सबसे ज्यादा असर बैंक शाखाओं में होने वाले कामकाज पर पड़ेगा। हड़ताल से पहले 26 सितंबर को शनिवार और 27 सितंबर को रविवार होने के कारण ग्राहकों को लगातार कई दिनों तक शाखा आधारित बैंकिंग सेवाओं में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि सरकार ने ग्राहकों की सुविधा के लिए 27 सितंबर रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को सामान्य रूप से खोलने की व्यवस्था की है।

बैंक हड़ताल का मतलब यह नहीं है कि यूपीआई , इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग बंद हो जाएगी। इन डिजिटल सेवाओं के सामान्य रूप से चलते रहने की उम्मीद है। ग्राहक यूपीआई

मोबाइल उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

अब साल में 13 नहीं सिर्फ 12 बार रिचार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के करोड़ों मोबाइल उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण ने टेलीकॉम कंज्यूमर प्रोटेक्शन तेरहवां संशोधन लागू कर दिया है। इस फैसले से अब मोबाइल ग्राहकों को साल में 13 के बजाय सिर्फ 12 बार ही रिचार्ज कराना होगा। इसके साथ ही टेलीकॉम कंपनियों को केवल कॉलिंग वाले फिआयती वॉयस ओनली प्लान भी देने होंगे। संसद में 28 दिन की वैधता के खिलाफ आवाज उठते हुए पाई ने उपभोक्ताओं के हित में यह फैसला लिया। इस कदम से देश के बुजुर्गों और लगभग 30 करोड़ बेसिक फोन यूजर्स को सीधा आर्थिक लाभ पहुंचेगा ट्राई के नए नियमों से गियो, एयरटेल, बीएसएनएल और वोडाफोन आइडिया को व्यवस्था बदलनी होगी। सभी टेलीकॉम कंपनियों को अब पूरे 30 दिन की वैधता वाले प्लान पेश करने होंगे।

अल नीनो से सूखे का खतरा महाराष्ट्र सरकार ने शुरू की तैयारी



फडणवीस बोले- फरवरी में बढ़ सकता है असर, 265 तहसीलों में राहत उपायों को मंजूरी

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र में बारिश की स्थिति और अगले मौसम में संभावित सूखे की चुनौती को देखते हुए राज्य सरकार ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि एल नीनो का प्रभाव आने वाले समय में बढ़ सकता है और फरवरी में इसकी तीव्रता अधिक रहने की संभावना है। इसके बाद इसका प्रभाव धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है।

फडणवीस के अनुसार, राज्य की 265 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। इन क्षेत्रों में

प्रभावित किसानों तक राहत पहुंचाने के लिए तत्काल 12 उपायों को मंजूरी दी गई है। फसल नुकसान के पंचनामे का काम भी शुरू कर दिया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जो तहसीलें फिलहाल सूखाग्रस्त घोषित नहीं हो सकी हैं, वहां भी फसल और सूखे की स्थिति का आकलन किया जाएगा। नुकसान सामने आने पर प्रभावित किसानों को सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई पात्र किसान राहत से वंचित न रहे। सरकार ने जल भंडार के नियोजन पर भी जोर दिया है। उपलब्ध पानी को जुलाई-अगस्त 2027 तक सुरक्षित रखने के बाद ही अतिरिक्त जल का इस्तेमाल रखी फसलों और उद्योगों के लिए करने पर विचार किया जाएगा।

उदयपुर में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, 2 करोड़ की रिश्तत लेते एसओजी एसपी का कथित दलाल गिरफ्तार

आरोपी यह रकम एसओजी के एडिशनल एसपी मुकेश कुमार सोनी के नाम पर ले रहा था। हालांकि, अधिकारी की इस मामले में प्रत्यक्ष भूमिका को लेकर जांच जारी है। एसीबी अब आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि रिश्तत की डील किस स्तर पर और किन लोगों के बीच तय हुई थी। जांच में यह भी देखा जा रहा है कि रकम किस मुकदमे में राहत दिलाने के लिए मांगी गई थी और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

नेपाल में तिब्बत सीमा के पास हिमस्खलन, 10 लोग लापता

हिमलुंग हिमाल ,एजेंसी। पश्चिमी नेपाल में तिब्बत की सीमा से लगे हिमलुंग हिमाल के बेस कैंप पर हिमस्खलन का मामला सामने आया है। यहां हिमस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 10 लोग लापता हो गए हैं। आयोजक मिंगमा ग्याल्जे शेर्पा ने पुष्टि की कि हिमस्खलन के बाद लापता लोगों में उनके किचन के दो कर्मचारी भी शामिल थे। उन्होंने कहा, -हिमस्खलन रविवार सुबह को हुआ।- मिंगमा ग्याल्जे शेर्पा के अनुसार, पिछले सप्ताह मौसम की चेतावनी जारी होने के बाद अभियान टीमें और रस्सी लगाने वाली टीमों ने पहाड़ की ढलानों को खाली कर दिया था, जबकि कुछ लोग अनिच्छा से वहीं रुक गए थे। दरअसल, पहाड़ी इलाके में कई दिनों तक भारी बर्फबारी हुई, जिससे पर्वतारोहियों को पहाड़ पर चढ़ाई से पीछे हटना पड़ा। रविवार के हिमस्खलन में लापता लोग अलग-अलग अभियान कंपनियों से हैं। मनांग जिले में 7,126 मीटर ऊंचे हिमलुंग हिमाल के लिए हेलीकॉप्टर उड़ानों के लिए अतिरिक्त परमिट की आवश्यकता होती है, जिससे पहाड़ तक पहुंचने में कठिनाइयां बढ़ जाती हैं। 7,126 मीटर ऊंची यह चोटी अधिक ऊंचाई पर अनुभव चाहने वाले पर्वतारोहियों के लिए एक लोकप्रिय लक्ष्य है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के कारण पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और नेपाल की पहाड़ियों और मैदानी इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। बारिश और बर्फबारी ने देश के कई हिस्सों को प्रभावित किया है। नेपाल में शुक्रवार से खराब मौसम की स्थिति बनी हुई है, जिससे सड़कें बाधित हो गई हैं।

शौचालय में तेज दुर्गंध बनी जानलेवा, दो युवकों की मौत

गौरेगांव में सद्विध गैस रिसाव की घटना, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, यश भारत। गौरेगांव पूर्व के राम मंदिर इलाके में सार्वजनिक शौचालय में तेज रासायनिक दुर्गंध के बाद दम घुटने से दो युवकों की मौत हो गई। घटना पारसी पंचायत गेट के सामने, मृणालताई गौरे फ्लाईओवर के पास रविवार तड़के हुई। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय प्रभाकर धनिवार और 18 वर्षीय भावानी देसाई के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, शौचालय से तेज दुर्गंध आने के बाद दोनों युवक बेहोशी की हालत में मिले। सूचना पर पुलिस ने दोनों को तत्काल ट्रामा केयर अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान सुबह करीब 3.49 बजे डॉक्टरों ने उन्हें

मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में दम घुटना मौत की संभावित वजह माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल, पुलिस, 108 एंबुलेंस, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल और बीएमसी की टीमों मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में शौचालय के पास स्थित एक छोटे कारखाने से रसायनों के इस्तेमाल की जानकारी मिली है। आशंका है कि रसायन नाले में डाले जाने से गैस शौचालय तक पहुंची हो। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच के बाद होगी। पुलिस ने शौचालय और आसपास का परिसर सील कर दिया है। गैस के स्रोत और घटना में संभावित लापरवाही की जांच जारी है।

‘वोट नहीं, राहुल का दिमाग चोरी हो गया’ -मुख्यमंत्री

राहुल गांधी पर फडणवीस का पलटवार, मतदाता सूची पर दावे-आपत्तियों का मुद्दा गरमाया

मुंबई, यश भारत। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर महाराष्ट्र में सियासी घमासान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी के ‘वोट चोरी’ के आरोप पर पलटवार करते हुए तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कोई वोट चोरी नहीं हुई, बल्कि राहुल गांधी का दिमाग चोरी हो गया है। फडणवीस ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तर के अधिकताओं को मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज कराने का अधिकार है। फडणवीस ने पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए सवाल किया कि जिन क्षेत्रों में एसआईआर के दौरान मतदाताओं की संख्या में कमी आई, वहां



तुणमूल कांग्रेस चुनाव कैसे जीत गई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के प्रत्येक पन्ने और नाम पर आपत्ति दर्ज कराने का अवसर उपलब्ध है। किसी पात्र मतदाता का नाम छूटने पर भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। राहुल गांधी ने एसआईआर और

निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए ‘वोट चोरी’ का आरोप लगाया था। इसके जवाब में फडणवीस ने उन पर संवैधानिक संस्थाओं के प्रति लोगों के मन में अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, भारतीय रिजर्व बैंक और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को लेकर राहुल गांधी के रुख पर भी निशाना साधा। एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। वहीं, निर्वाचन विभाग की प्रक्रिया के तहत मतदाताओं को सूची में अपना नाम जांचने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया जा रहा है।

गणित का सवाल बना ‘सजा’ की वजह

चौथी के छात्र को शिक्षक ने डंडे से पीटा, अभिभावक की शिकायत पर मामला दर्ज

छत्रपति संभाजीनगर, यश भारत। गणित का सवाल हल नहीं कर पाने पर चौथी कक्षा के छात्र की शिक्षक द्वारा डंडे से पिटाई करने का मामला सामने आया है। घटना वैजापुर तालुका के मकरमतपुरवाड़ी स्थित जिला परिषद स्कूल की बताई जा रही है। छात्र के पिता की शिकायत पर वैजापुर पुलिस ने शिक्षक राजू डुकरे के खिलाफ मामला दर्ज किया है।



शिकायत के अनुसार, कक्षा में गणित का सवाल हल नहीं कर पाने पर शिक्षक ने छात्र को डंडे से पीटा। मारपीट में छात्र के चेहरे और पिंडली पर चोट के निशान पड़ गए। स्कूल की छुट्टी के बाद छात्र रोते हुए घर पहुंचा और माता-पिता को पूरी घटना बताई। बच्चे के शरीर पर चोट के निशान देखकर अभिभावकों ने शिक्षक से संपर्क किया। छात्र के पिता ने शिक्षक को फोन कर मारपीट का कारण पूछा। आरोप है कि शिक्षक ने ‘एक बार ही मारा’ कहते हुए फोन काट दिया। इसके बाद पिता ने

पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर शिक्षक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस कर्मचारी किसन गवली मामले की जांच कर रहे हैं। घटना के बाद अभिभावकों ने स्कूलों में बच्चों के साथ शारीरिक दंड के बजाय समझाइश और अनुशासन की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सूखे की मार, साथ रहेगा मदद का हाथ

फडणवीस की गारंटी, सूची से बाहर इलाकों की भी होगी जांच



नागपुर, यश भारत। महाराष्ट्र में कम बारिश से पैदा हुई सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए 265 तालुकों में सूखा घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सूची से बाहर रखे गए तालुकों की भी समीक्षा की जाएगी। जरूरत पड़ने पर उन्हें ‘ट्रिगर-3’ के तहत सहायता दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूखे की स्थिति में कोई भी प्रभावित व्यक्ति सरकारी मदद से वंचित नहीं रहेगा। फडणवीस के अनुसार, सूखाग्रस्त 265 तालुकों में 12 राहत उपाय और रियायतें लागू की गई हैं। किसानों को फसल नुकसान की सहायता निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी जाएगी। वहीं, सूची से बाहर के तालुकों में भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में पीने के पानी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। प्रत्येक जिले के लिए पानी की उपलब्धता का प्रारूप तैयार किया गया है। जुलाई-अगस्त तक पीने के पानी के लिए आवश्यक आरक्षण रखने के बाद अतिरिक्त पानी रबी फसलों के लिए उपलब्ध करने पर विचार किया जाएगा। अल नीने के प्रभाव को देखते हुए फरवरी के अंत तक स्थिति गंभीर होने की आशंका है। इसे देखते हुए जरूरी उपायों को प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अनावश्यक खर्च से बचकर सूखाग्रस्त क्षेत्रों की मदद करने की अपील की। इस बीच, छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से गड्डीचरोली के भामरागढ़ में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता दी जा रही है। स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।

रेलवे याई में स्विफ्ट डिजायर से चोरी का कारोबार

अंधेरी आरपीएफ ने गिरोह का किया पर्दाफाश
3.55 लाख रुपये का तांबे का तार बरामद

मुंबई, यश भारत। रेलवे याई में चोरी करने के लिए स्विफ्ट डिजायर कार का इस्तेमाल करने वाले गिरोह का अंधेरी आरपीएफ ने पर्दाफाश किया है। गिरोह के सदस्य रेलवे की संपत्ति चुराकर उसे कबाड़ियों के हाथ बेचते थे। कार्रवाई में आरपीएफ ने पांच आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि दो आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।



अंधेरी आरपीएफ के वरिष्ठ निरीक्षक राजीव सिंह सलारिया के अनुसार, 26 सितंबर को अंधेरी याई में चोरी की सूचना मिलने के बाद उपनिरीक्षक भागीरथी मीना, मुकेश त्यागी और अन्य कर्मचारियों की टीम निगरानी कर रही थी। इसी दौरान याई में एक स्विफ्ट डिजायर कार पहुंची। जांच में पता चला कि आरोपी इसी कार से रेलवे याई में चोरी करने आते थे और चोरी का माल माझगांव के कबाड़ियों को बेच देते थे। आरपीएफ ने कबाड़ी ईश्वर जायसवाल और रमेश चंद जायसवाल को हिरासत में लेकर उनके पास से क्रमशः 35 और 100 किलो तांबे का तार बरामद किया। वहीं, रहीम जरार, अविनाश और गुलजार के पास से 200 किलो तांबे का तार मिला। बरामद माल की कुल कीमत करीब 3.55 लाख रुपये बताई गई है। तांबे का तार काटने वाले सलमान को भी हिरासत में लिया गया है। उसका साथी विक्रम और एक अन्य आरोपी फरार हैं। मामले की आगे की जांच उपनिरीक्षक भागीरथी मीना कर रही हैं।

आईआईटी बॉम्बे में आरक्षित वर्गों के सिर्फ 11 शिक्षक

आरटीआई से खुलासा, 1,225 स्वीकृत पदों में 450 खाली

मुंबई, यश भारत। देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी बॉम्बे में आरक्षित वर्गों के शिक्षकों के प्रतिनिधित्व को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। आरटीआई के जरिए मिली जानकारी के अनुसार, संस्थान में कार्यरत 775 शिक्षकों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और समाजिक वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के केवल 84 शिक्षक हैं। यानी कुल शिक्षकों में 11 वर्गों की हिस्सेदारी करीब 1 न प्रतिशत ही है। आरटीआई में यह भी सामने आया कि आईआईटी बॉम्बे में शिक्षकों के कुल 1,225 पद

स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से 450 पद अभी खाली हैं। आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में रहा है। छात्र संगठनों का कहना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सामाजिक विविधता और सभी वर्गों की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नियुक्तियों में आरक्षण व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। यह आरटीआई ऑल इंडिया

ओबीसी स्टूडेंट्स एसोसिएशन की ओर से दाखिल की गई थी। संगठन ने आरक्षित वर्गों के शिक्षकों की संख्या बढ़ाने की मांग उठाई है। रिपोर्ट के अनुसार, सहायक प्रोफेसर स्तर पर आरक्षित वर्गों की भागीदारी वरिष्ठ पदों की तुलना में कुछ बेहतर है। वहीं, आईआईटी बॉम्बे की ओर से इन आंकड़ों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

दुर्गम आदिवासी पहाड़ों तक पहुंचेगी लालपरी

एसटी बेंड़े में शामिल होंगी 100 मिडी बसें

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र के दुर्गम, पहाड़ी और आदिवासी क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तथा विद्यार्थियों की लंबी पैदल यात्रा रोकने के लिए राज्य परिवहन महामंडल के बेंड़े में 100 ‘पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी’ मिडी बसें शामिल की जाएंगी। 28 सीटों वाली ये बसें उन संकरी और कठिन सड़कों पर चलाई जाएंगी, जहां बड़ी बसों का पहुंचना मुश्किल है। यह जानकारी परिवहन मंत्री तथा एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने दी। सरनाईक ने कहा कि कई आदिवासी बस्तियों और गांवों के विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज पहुंचने के लिए रोजाना 10 से 15 किलोमीटर तक पैदल चलना

पड़ता है। नई मिडी बसों के माध्यम से उनकी यह परेशानी कम होगी और शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य तथा बाजार से संपर्क आसान बनेगा। उन्होंने कहा कि इन मार्गों पर बस सेवा आर्थिक रूप से लाभदायक नहीं भी हो सकती है, लेकिन आदिवासी नागरिकों और विद्यार्थियों की सुविधा नफे-नुकसान से अधिक महत्वपूर्ण है। सार्वजनिक परिवहन केवल कमाई का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। ‘गांव वहां एसटी’ की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब ‘बस्ती वहां एसटी’ की दिशा में काम किया जाएगा। दुर्गम आदिवासी पाड़ों को एसटी सेवा से जोड़कर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।



जाति के नाम पर टिकट से नहीं होता समाज का विकास -गडकरी

राजनीति में योग्यता, काम और जनसेवा को मिले प्राथमिकता

नागपुर, यश भारत। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जाति आधारित राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल जाति के नाम पर चुनावी टिकट लेने से समाज का विकास नहीं होता। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि किसी समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, कौशल, रोजगार और आर्थिक विकास पर ध्यान देना जरूरी है। गडकरी ने कहा कि कई लोग अपनी जाति का हवाला देकर टिकट मांगते हैं, लेकिन टिकट मिलने के बाद समाज के विकास के लिए अपेक्षित काम नहीं करते। उनके अनुसार, किसी समुदाय से किसी व्यक्ति को टिकट मिलना अपने आप में उस समुदाय की प्रगति की गारंटी नहीं है। उन्होंने राजनीति में काम और जनसेवा को महत्व देने की बात कही। गडकरी ने कहा कि



सड़क, शिक्षा, रोजगार, उद्योग और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विकास कार्य समाज के सभी वर्गों के लिए महत्वपूर्ण हैं। गडकरी ने मतदाताओं से भी जाति के बजाय उम्मीदवार के काम और क्षमता को ध्यान में रखने की अपील की। उन्होंने अपने राजनीतिक अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी पहले जाति आधारित राजनीतिक रणनीति का प्रयोग किया था, लेकिन बाद में विकास और कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

एसआईआर के विरोध में 2 अक्टूबर से मुंबई में आंदोलन

सीईसी के इस्तीफे की मांग, कॉकरोच जनता पार्टी ने किया राष्ट्रव्यापी आंदोलन का ऐलान



मुंबई, यशभारत। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) जनेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 2 अक्टूबर से मुंबई में राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। संगठन की ओर से कुमार को इस्तीफा देने के लिए दी गई समय-सीमा शनिवार को समाप्त हो गई। शनिवार को दिल्ली में हुई बैठक में आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया गया। हालांकि, अभी पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के कारण स्थान अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। आजाद मैदान में प्रदर्शन होने की संभावना है। सीजेपी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। संगठन ने सीईसी के इस्तीफे के साथ एसआईआर पर रोक, जनवरी 2025 की मतदाता सूची बहाल करने और प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग की है। संगठन का आरोप है कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग ने हालांकि चुनाव संबंधी निर्णयों को सर्वसम्मत बताया है।

गणपति विसर्जन में शोर का ‘धमाका’ 107.8 डेसिबल तक पहुंची आवाज

मुंबई, यशभारत। मुंबई में गणपति विसर्जन के अंतिम दिन ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आया है। ‘आवाज फाउंडेशन’ की ओर से 25 और 26 सितंबर को किए गए ध्वनि स्तर के आकलन में कई स्थानों पर आवाज का स्तर निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक पाया गया। बांद्रा (पश्चिम) में रात 10.03 बजे बेंजो और लाउडस्पीकर के दौरान अधिकतम 107.8 डेसिबल शोर दर्ज किया गया। वहीं वली में रात 10.28 बजे ढोल-ताशा के दौरान 107 डेसिबल तक आवाज रिकॉर्ड हुई।



गिरगांव चौपाटी पर रात 11.15 बजे राजनीतिक दल के बूथ पर लाउडस्पीकर से 103 डेसिबल तक आवाज दर्ज की गई। आधी रात के बाद भी वहां 90 डेसिबल तक शोर रिकॉर्ड हुआ। ओपेरा हाउस में रात 12.06 बजे बिना लाउडस्पीकर वाली विसर्जन मिरवणूक के दौरान भी 84.9 से 87 डेसिबल तक आवाज दर्ज की गई। फाउंडेशन के अनुसार, रात 10

बजे से सुबह 6 बजे के बीच आवासीय क्षेत्रों में 45 डेसिबल और शांत क्षेत्र में 40 डेसिबल की सीमा लागू है। संस्था ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुख्य सचिव और मुंबई पुलिस आयुक्त को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। हालांकि, संस्था ने यह भी कहा कि इस वर्ष अधिकांश गणेश मंडलों ने ट्रक पर लगे डीजे और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं किया।

कचरे में फेंके जूते-चप्पलों को मिलेगा नया जीवन

गणेशोत्सव के बाद मनपा ने जुटाए करीब 8 टन फुटवियर, जरूरतमंद बच्चों को किए जाएंगे वितरित

मुंबई, यश भारत। गणेशोत्सव के दौरान विसर्जन और आगमन जुलूसों के बाद सड़कों पर छूटे जूते-चप्पल अब कचरे में नहीं जाएंगे। मुंबई मनपा ने इस वर्ष करीब 8 टन जूते-चप्पल और सैंडल एकत्र किए हैं। इन्हें पुनर्वर्णन के लिए भेजकर जरूरतमंद बच्चों के उपयोग में लाया जाएगा।

मनपा के अनुसार, 29 अगस्त को गणेश प्रतिमाओं के आगमन जुलूस के दौरान ही करीब 4 टन फुटवियर जमा हुआ था। चिंचोपकली के चिंतामणि गणपति के जुलूस के बाद भारतमाता जंक्शन, जीजाबाई लेन और चिंचोपकली रेलवे स्टेशन के आसपास बड़ी संख्या में जूते-चप्पल

मिले। इन्हें फिलहाल परेल स्थित मनपा स्कूल परिसर में रखा गया है। इसके बाद इन्हें भिवंडी स्थित ग्रीनसोल फाउंडेशन के केंद्र में भेजा जाएगा। वहां जूते-चप्पलों को सफाई और छंटाई के बाद उपयोगी हिस्सों से नए या मरम्मत किए गए फुटवियर तैयार किए जाएंगे। अनुपयोगी सामग्री से स्कूल बैग और बैटने की चटइयां भी बनाई जाएंगी। तैयार जूते-चप्पल मनपा स्कूलों और महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों में पहली से आठवीं कक्षा तक पढ़ने वाले जरूरतमंद बच्चों को वितरित किए जाएंगे। मनपा की इस पहल से कचरा कम करने के साथ पुनः उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

29 सितंबर से रोजगार महाकुंभ 25 हजार मौके

418 से अधिक रोजगार मेलों में 1,500 कंपनियां लेगी हिस्सा

मुंबई, यश भारत। राज्य के युवाओं को रोजगार के सीधे अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ‘पींठत दीनदयाल उपाध्याय विश्वविक्रमी रोजगार महाकुंभ महाराष्ट्र’ का राज्यस्तरीय शुभारंभ 29 सितंबर को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस करेंगे। सुबह 11 बजे चर्चगेट स्थित एमएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढा सहित कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। अभियान के तहत कौशल और नाशिक विभाग के 12 जिलों में 418 से अधिक रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है। इनमें मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, नाशिक, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले और नंदुरबार शामिल हैं। इन मेलों के माध्यम से 25 हजार से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इसमें 1,500 से अधिक कंपनियां और प्रतिष्ठान भाग लेंगे। युवाओं की शैक्षणिक योग्यता, कौशल और अनुभव के आधार पर उन्हें उपलब्ध रिक्रियायें से जोड़ा जाएगा। साथ ही साक्षात्कार की तैयारी के लिए संवाद कौशल, व्यक्तिगत विकास और रोजगारपरक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एमएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में महिलाओं के लिए विशेष रोजगार मेला आयोजित होगा। इसमें करीब 600 से 700 महिला उम्मीदवारों के शामिल होने की संभावना है। कंपनियां उम्मीदवारों को पद, योग्यता, वेतन और भर्ती प्रक्रिया की जानकारी देंगी।

कर्ज, मौसम और फसल की मार से किसान बेहाल

आठ महीने में 653 किसानों ने दी जान, बीड में सबसे ज्यादा 149 मामले

छत्रपति संभाजीनगर, यश भारत। मराठवाड़ा में किसान आत्महत्या का संकट लगातार गहराता जा रहा है। जनवरी से अगस्त तक आठ महीनों में क्षेत्र के आठ जिलों में 653 किसानों ने आत्महत्या की। यानी औसतन हर दिन करीब तीन किसान इस घातक संकट की चपेट में आए। बीड 149 मामलों के साथ सबसे अधिक प्रभावित जिला रहा, जबकि छत्रपति संभाजीनगर में 138 किसानों ने आत्महत्या की। आंकड़ों के मुताबिक,



धाराशिव में 88, नांदेड़ में 82, जालना में 61, लातूर में 46, परभणी में 45 और हिंगोली में 44 मामले सामने आए। इससे साफ है कि मराठवाड़ा का कोई भी जिला इस संकट से अछूता नहीं है।

सोयाबीन, कपास और तूर जैसी प्रमुख फसलों को नुकसान के साथ ही खेती की लागत भी लगातार बढ़ी है। बीज, खाद, कीटनाशक और मजदूरी महंगा होने के बावजूद उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा। कर्ज का बढ़ता बोझ, फसल नुकसान और आमदनी में गिरावट ने किसान परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, संकट से निपटने के लिए केवल मुआवजा नहीं, बल्कि सिंचाई, फसल मूल्य और ऋण व्यवस्था में दीर्घकालिक सुधार जरूरी है।

भारत में बढ़ते पारिवारिक सामूहिक हत्याकांड: गंभीर चिंता का विषय



भारत में परिवार के भीतर एक साथ कई लोगों की हत्या या सामूहिक मौत की घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसी घटनाओं के पीछे अक्सर पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव, संपत्ति विवाद, नशे की समस्या और अंधविश्वास जैसे कई कारण सामने आते हैं। हालांकि, किसी घटना के पीछे एक ही कारण मान लेना उचित नहीं है। आर्थिक संकट और कर्ज ऐसे मामलों में महत्वपूर्ण कारक हो सकते हैं। व्यापार में भारी नुकसान, कर्ज, सट्टेबाजी या निवेश में बड़ी आर्थिक क्षति से व्यक्ति अत्यधिक तनाव में आ सकता है। इसके चेतावनी संकेत हैं—लगातार पैसों की चिंता, परिवार से आर्थिक स्थिति छिपाना, अचानक निराश या चिड़चिड़ा रहना, नौकरी या कारोबार से जुड़ी गंभीर परेशानी और भविष्य को लेकर निराशाजनक बातें करना। पारिवारिक कलह और संपत्ति विवाद भी हिंसा का कारण बन सकते हैं। जमीन-जायदाद, वैवाहिक संबंधों में तनाव या लंबे समय से चले आ रहे विवाद स्थिति को गंभीर बना सकते हैं। बार-बार धमकी देना, अत्यधिक शक करना, गुस्से में चीजें तोड़ना, परिवार के सदस्यों को नियंत्रित करना या हिंसा की बात करना गंभीर चेतावनी संकेत माने जाने चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी भी जोखिम बढ़ा सकती है। अत्यधिक तनाव, गंभीर मानसिक बीमारी, नशे की समस्या या गुस्से पर नियंत्रण न होना व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। अचानक व्यवहार में बड़ा बदलाव, सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ना, असामान्य डर या संदेह, नींद में भारी बदलाव, अत्यधिक उत्तेजना या खुद अथवा दूसरों को नुकसान पहुंचाने की बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि, मानसिक बीमारी को हिंसा का पर्याय मानना गलत है। अंधविश्वास और तंत्र-मंत्र से जुड़े विश्वास भी कुछ मामलों में गंभीर परिणाम दे सकते हैं। किसी व्यक्ति का परिवार को खतरनाक धार्मिक अनुष्ठानों के लिए मजबूर करना या वास्तविक समस्याओं के बजाय अलौकिक कारणों को जिम्मेदार बताना चेतावनी का संकेत हो सकता है। इन संकेतों को देखकर परिवार को व्यक्ति को अकेला छोड़ने के बजाय शांतिपूर्वक बातचीत, भरोसेमंद लोगों की मदद और जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ या कानूनी सहायता लेनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति से तत्काल हिंसा का खतरा हो, तो परिवार को पहले अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए स्थानीय पुलिस या आपातकालीन सहायता से संपर्क करना चाहिए। ऐसी घटनाओं की रोकथाम केवल घटना के बाद कार्रवाई से नहीं, बल्कि समय रहते खतरे के संकेत पहचानने, संवाद बढ़ाने और सहायता उपलब्ध कराने से संभव है।



पंचांग:- 28 सितंबर 2026
दिन- सोमवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष
विक्रम संवत् 2083

मेघ  **सु.वे.चो.ओ.रा.वी.शु.बु.शु.अ.**
लौट री जुए शराब बस अछे से दूर रहें
सदौर साथ नहीं देगा ताँबे के पात्र में जल पिए

वृष  **र.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग
उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन  **सम.रु.वी.कु.शु.शु.अ.ओ.रा.वी.शु.वे.चो.**
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक
यात्रा सफल होगी अंग्रेज जी का पूजन करें

कर्क  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
आंखा के चलते निर्णय प्रभावित होंगे
योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह  **मा.मी.शु.रु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल
पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से
उपहार मिलेगा हटे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला  **रा.शु.रु.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी
उम्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा
हनुमान जी की आराधना करें

धनु  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
उपेक्षित महत्सुख होगा रात के समय
मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी
मन को शांत रखें पीपल में धिया जलाएं

कुंभ  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय
की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन  **शु.शु.अ.ओ.रा.वी.सु.वे.चो.**
साहसिक भावना बढ़ेगी झहद प्रकटि
रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

विचार प्रवाह

देह चली गई, स्वर रह गया – लता होने का अर्थ यही है

प्रसंगवश - 28 सितंबर: लता मंगेशकर जयंती

कुछ आवाजें सुनी नहीं जातीं—वे भीतर कहीं घटित होती हैं। वे कानों की देहरी लौंघकर स्मृतियों में उतरती हैं और फिर समय बीतने के साथ धुंधली होने के बजाय और उजली होती जाती हैं। लता मंगेशकर का स्वर ऐसी ही विलक्षण अनुभूति था। उन्होंने सुरों को केवल गाया नहीं, उन्हें भारतीय मन की धड़कन बना दिया। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी हेमा को पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर ने 'लता' नाम दिया (पिता के नाटक भावबंधन की पात्र लतिका के नाम पर)। तब यह एक बच्ची का नाम था; आगे चलकर यही नाम भारतीय संगीत की सबसे उजली पहचान बन गया। पाँच वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से शुरू हुआ अभिनय धीरे-धीरे संगीत की ऐसी साधना में बदल गया, जिसने अंततः एक पूरे युग की ध्वनि रच दी।

जिस उम्र में सपने आकार लेते हैं, उसी उम्र में लता के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई। 1942 में तेरह वर्ष की उम्र में पिता का निधन हुआ। रोटी की चिंता थी, भविष्य अनिश्चित था और संघर्ष उम्र से बढ़ा। लता ने परिस्थितियों के आगे झुकने के बजाय अपनी आवाज को सहारा बनाया। मराठी फिल्म ‘किट्टी हसाल’ (1942) में उनका पहला गीत रिकॉर्ड हुआ (हालाँकि बाद में फिल्म के फाइनल कट से हटा दिया गया), लेकिन हिंदी सिनेमा की राह आसान नहीं थी। नूरजहाँ और शमशाद बेगम जैसी दमदार आवाजों के बीच उनकी कोमल आवाज को ‘पतली’ कहकर नकार दिया गया। उन्होंने जवाब बहस से नहीं, रियाज से दिया। 1948 की फिल्म मजबूर में गुलाम हैदर द्वारा दिए गए गीत ‘दिल मेरा तोड़ा’ से भी उन्हें महत्वपूर्ण पहचान मिली। फिर 1949 में ‘महल’ का ‘आपणा आनेवाला’ आया और उसी आवाज ने हिंदी पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।

एक ही आवाज प्रेम, विरह और प्रार्थना—तीनों को अपना रूप दे सके, तो उसकी व्यापकता समझी जा सकती है। लता का स्वर किसी एक भाव तक सीमित नहीं था। ‘लगा जा गले’ में प्रेम, ‘तेरे बिना ज़िंदगी से’ में रिश्तों की कसक और ‘आजारे परदेसी’ में विरह की तड़प थी। ‘ज्योति कलश छलके’ और ‘ओ पालनहारे’ में वही स्वर भक्ति बन गया। वे केवल गीत नहीं गाती थीं, उसके भाव को स्वर देती थीं। 1962 के चीन युद्ध के बाद, 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम



में ‘ए मेरे वतन के लोगों’ ने राष्ट्रीय भावना को आवाज दी। जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम हुईं और पूरा देश भावुक हो उठा। उस क्षण लता केवल गायिका नहीं रहीं; उनकी आवाज राष्ट्र की साझा संवेदना बन गई।

लता की महानता केवल उनकी आवाज में नहीं, उस आवाज के पीछे की साधना में थी। वे स्टूडियो समय से पहले पहुँचतीं, गीत के हर शब्द को समझतीं और उसे गाने से पहले भीतर उतारती थीं। उनके लिए सुर तकनीक नहीं, साधना था। वे स्टूडियो को मंदिर मानती थीं और अक्सर नौ घंटे गीत रिकॉर्ड करती थीं। नौशाद, मदन मोहन, शंकर-जयकिशन और आर.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ उनका रिश्ता केवल काम तक सीमित नहीं रहा; उनकी रचनात्मकता एक-दूसरे का विस्तार बनी। छत्तीस से अधिक भाषाओं में तीस हजार से अधिक गीतों का समग्र भारतीय संगीत पर उनकी अमिट छाप है। हिंदी सिनेमा को व्यापक पहचान देने के साथ उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में भी अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज की, जिसकी गूँज आज भी सुनाई देती है।

कुछ दीवारें आवाज से नहीं, लगातार मौजूदगी से गिरती हैं। लता ने भी यही किया। जिस दौर में महिला कलाकारों के लिए सीमाएँ तय थीं, उन्होंने बिना शोर उन सीमाओं को पार किया। उनकी कोमल आवाज ने बता दिया कि ताकत ऊँचा बोलने में नहीं, असर छोड़ने में होती है।

आधुनिक जीवनशैली के आघात से हृदय की रक्षा जरूरी

विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2026

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और कर्म की संभावनाएँ बनी रहती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे हटते जा रहे हैं। हमारी तेज रफ्तार जिंदगी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही हैं, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है। हर वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महासंघ के अनुसार हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण हैं और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है— ‘हृदय रोग कई बार सामने दिखाई नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। मैंने अपने पूर्व के आलेख ‘भारतीय दिल खतरे में’ और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे दिल के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है? आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत का कम होना, देर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से दूर होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई रक्तशर्करा और रक्त में वसा को हृदय रोग के प्रमुख जोखिम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव

पैदा करती है। भौतिक उपलब्धियाँ बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इसलिए हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, पर्याप्त नींद, संतुलित भोजन और नशे से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के सामान्य लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतुप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार अन्य जांचों को उम्र और जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है। यहाँ चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। ऐसी जांच-पद्धतियाँ विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरे को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और

लाखों लड़कियों के लिए वे प्रेरणा बनीं कि कठिन परिस्थितियों में प्रतिभा और परिश्रम रास्ता बना सकते हैं। अपार सम्मान और वैभव के बावजूद उनकी सादगी बनी रही। वे कहती थीं, ‘मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार जनता का प्यार है।’ पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण (1999), दादा साहब फाल्के पुरस्कार (1989), भारत रत्न (2001) और फ्रांस का लीजन ऑफ ऑनर (2009) उन्हें मिले, लेकिन उनकी पहचान इन सम्मानों से कहीं बड़ी रही।

कुछ विदाइयाँ केवल एक व्यक्ति को दूर करती हैं, कुछ पूरे युग की धड़कन थाम देती हैं। 6 फरवरी 2022 को लता मंगेशकर के निधन पर ऐसा ही लगा, जैसे भारतीय संगीत की एक अनुपम धारा रुक गई हो। लेकिन महान स्वर मृत्यु के साथ समाप्त नहीं होते, वे स्मृतियों में जीवित रहते हैं। आज भी किसी पुराने गीत की पहली पंक्ति सुनते ही उनकी आवाज भीतर उतर जाती है—कभी माँ की ममता बनकर, कभी मंदिर की घंटी-सी पवित्रता लेकर, तो कभी राग की गहवाई बनकर। देह चली गई, लेकिन स्वर आज भी घरों, रेडियो और दिलों में जीवित है। पीढ़ियाँ बदलेंगी, समय आगे बढ़ेगा, मगर लता की आवाज हर दौर में लौटती रहेगी। शायद अमरता यही है—देह का चले जाना और स्वर का रह जाना।

लता मंगेशकर की जयंती उनके विराट योगदान को याद करने का अवसर है—उस स्वर-साम्राज्य का, जिसका कोई सिंहासन नहीं था, फिर भी करोड़ों दिलों पर उसका राज था। उनका जीवन बताता है कि कलाकार केवल उपलब्धियों से बड़ा नहीं होता; वह तब मानक बनता है, जब उसकी साधना और प्रतिभा समय की कसौटी पर खरी उतरती है। उन्होंने गायन को सुर-ताल से आगे भावों की ऐसी भाषा दी, जिसे पीढ़ियों ने अपने जीवन में महसूस किया। कठोर रियाज, अनुशासन और सादगी उनकी साधना की पहचान रहे। हजारों गीतों में भारतीय जीवन के अनगिनत रंग समाए और पार्श्वगायन को नई उँचाई मिली। संगीत के रूप बदलेंगे, सुनने के ढंग बदलेंगे, लेकिन लता मंगेशकर का योगदान भारतीय संगीत की बुनियाद में दर्ज रहेगा। उन्होंने केवल गीत नहीं गाए; उन्होंने भारतीय मन को गुनगुनाने की एक स्थायी भाषा दे दी।

कृति आरके जैन

कॉलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बने। तंबाकू नियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अत्यधिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

इसके साथ ही सरकारों को ‘हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान’ जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक नि:शुल्क या सस्ती हृदय-जांच, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी और पुनर्वास सेवाओं को जोड़ जा सके। कपनियाँ और संस्थानों में भी कर्मचारियों के लिए ‘हेल्थी हार्ट’ कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थाएं, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं।

दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियाँ बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सुलभ बनाएं। विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर न बने। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर दे। हमें यह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूम्रपान को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं। हृदय की धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इसे असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत छोड़ें। आधुनिकता अपनाएं, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएं लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएं, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं। विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

ललित गर्ग

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेप्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टेक्स में भारी भर्कम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 तब्धु हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी है।

भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनियरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है। इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल सुजॉ को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं

है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पनौट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 तब्धु की सोलर क्षमता चालू है एवं 100 तब्धु की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है। एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्स्टायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियां के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में एक करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में कार्य विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैंक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैंक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ऑफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे

एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीफिशियल इंटेलिजेन्स के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी टूबिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रेन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से

(लेखक:- प्रहलाद सबनानी / डैम्पएस)

टेस्ट में सबसे तेज 13000 रन बनाने वाले 5 बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल



मुम्बई (ईएमएस)। टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 13000 रन बनने वाले विश्व के पांच बल्लेबाजों में दो भारतीय भी शामिल है। इस विशिष्ट सूची में भारत के सचिन तेंदुकर और राहुल द्रविड़ के अलावा, दक्षिण अफ्रीका के जैक कालिस और ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग व इंग्लैंड के जो रूट भी शामिल हैं। सबसे पहले ये उपलब्धि सचिन ने हासिल की थी। सचिन को इस आंकड़े तक पहुंचने में 20 साल और 63 दिन का समय लगा था। उन्होंने साल 2010 में बांग्लादेश के खिलाफ 163 वें टेस्ट मैच की 266वीं पारी के दौरान सबसे तेजी से 13,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया। वहीं इस सूची में दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर जैक्स कैलिस हैं। कैलिस ने 2 जनवरी 2013 को न्यूजीलैंड के खिलाफ केप टाउन में यह उपलब्धि हासिल की। अपने डेब्यू के 17 साल और 19 दिन बाद, 159वें मैच की 269वीं पारी में कैलिस ने 13,000 रनों का आंकड़ा पार किया। इस प्रकार उन्होंने 13000 तक पहुंचने के लिए सचिन से केवल 3 पारियां अधिक खेलीं। इसी सूची में तीसरा नाम ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तानो रिकी पोंटिंग को है। पोंटिंग ने . 24 जनवरी 2012 को भारत के खिलाफ एडिलेड के ओवल के ऐतिहासिक मैदान पर अपने 13,000 रन 162वां मैच की 275वीं पारी में पूरे किये। अपने डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 16 साल और 47 दिन का समय लगा। इसके बाद नाम आता है भारत के मिस्टर भरोसेमंद कहे जाने वाले



राहुल द्रविड़ था। द्रविड़ ने 22 नवंबर 2011 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेलते हुए अपने करियर के 160वें मैच की 277वीं पारी में अपने 13,000 रन पूरे किए। डेब्यू से लेकर इस पड़ाव तक पहुंचने में उन्हें 15 साल और 155 दिन लगे। क्रीज पर टिककर खेलने के कारण ही वह यहां तक पहुंच पाये।

वर्तमान समय के क्रिकेटर्स की बात करें तो इस सूची में एकमात्र नाम इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट का है। 13 दिसंबर 2012 को भारत के खिलाफ नागपुर में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत करने वाले रूट ने 22 मई 2025 को जिम्बाब्वे के खिलाफ नॉटिंगम में खेलते हुए 13,000 रनों का कठिन आंकड़ा हासिल कर लिया। अहम बात ये रही कि पारियों के लिहाज से रूट ने 279 पारियों (153 मैचों) में ही यह कारनामा किया, लेकिन समय के मामले में उन्होंने सबसे कम समय 12 साल में ही वे इस आंकड़े तक पहुंचने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

23वीं राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ, प्रदेशभर से जुटे तीरंदाज

जबलपुर, यश भारत। मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के तत्वावधान में 23वीं जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और तीरंदाजी की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में 70 मीटर रिकर्व, 50 मीटर कंपाउंड और 30 मीटर इंडियन राउंड की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें अलीराजपुर, झाबुआ, धार, धार एसएआई, इंदौर, देवास, खरगोन, उज्जैन, गुजालपुर, सीहोर, भोपाल, नर्मदापुरम, नरसिंहागढ़, जबलपुर, सतना, रीवा, सिंगरौली, भिंड, आमी और सागर सहित विभिन्न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन का संदेश उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहाणी और मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने की। इस दौरान डीके विद्यार्थी, वेद कुमार, मध्यप्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक, पुष्पराज सिंह, अभय नायक, दिलीप गर्ग सहित अन्य पदाधिकारी और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

अशोक रोहाणी ने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दिग्विजय सिंह ने खिलाड़ियों को खेल में निरंतर सुधार और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसोसिएशन की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वेद कुमार ने नियमित अभ्यास और खेल में निरंतर प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला।

जूनियर वर्ग के परिणाम- जूनियर वर्ग की कंपाउंड पुरुष स्पर्धा में राज कौरव ने प्रथम, दीक्षांत



करौले ने द्वितीय और समर जटविया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कंपाउंड महिला वर्ग में त्रिज्या पाटिल प्रथम, नेहा राज द्वितीय और पारुल नंदा तृतीय रहीं।

रिकर्व पुरुष वर्ग में दीपांशु नंदा ने प्रथम, हरि ठाकुर ने द्वितीय और वंश डगर ने तृतीय स्थान हासिल किया। रिकर्व महिला वर्ग में आयशा प्रजापत प्रथम, प्रीति यादव द्वितीय और प्राची भायन तृतीय रहीं।

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में कुश नामदेव ने प्रथम,

रोहित गुप्ता ने द्वितीय और ओम प्रकाश साकेत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इंडियन राउंड महिला वर्ग में ऐश्वर्या सैनी प्रथम, निशा अहिरवार द्वितीय और भाव्या शर्मा तृतीय रहीं।

जूनियर वर्ग की स्पर्धाओं के बाद अब 28 सितंबर से सीनियर वर्ग की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता शुरू होगी। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे।

एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय तीरंदाजी टीम

नगोया (ईएमएस)। भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों की तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। इन खेलों में शामिल भारतीय कंपाउंड और रिकर्व मिक्स्ट टीमों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए टीम को प्रवेश मिलेगा। इससे ये और भी अहम हो जाती है।

कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में चिकित्हा तानिपाथी और साहिल जाधव की जोड़ी ने सटीक निशाने लगाते हुए राउंड ऑफ 16 में मंगोलियाई टीम को 160-146 से हराया। इसके बाद, क्वाटर फाइनल में कजाकिस्तान के खिलाफ मिली 159-154 की जीत के साथ ही सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

वहीं रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में धीरज बोम्मादेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद की जोड़ी ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए राउंड ऑफ 16 में यूई को 6-0 से हराया। इसके बाद क्वाटर फाइनल में वियतनाम के खिलाफ भी 6-0 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनायी।

इससे पहले, कंपाउंड महिला और पुरुष टीमों ने भी जीत के साथ सही सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ज्योति सुरेखा वेन्नाम, चिकित्हा तानिपाथी और पृथिका प्रदीप की महिला टीम ने क्वाटर फाइनल में कजाकिस्तान की रोकसाना यूनुसोवा, विक्टोरिया



ल्यान और एडेल जेक्सेनबिनोवा की टीम को 233-230 से हराया जबकि कुशल दलाल, साहिल जाधव और गणेश मणिरत्नम की पुरुष टीम ने भूटान के केजांग नोरबु, त्सेतुम गेल्गे और टंडिन दोरजी को क्वाटर फाइनल में 235-232 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इन खेलों से ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दांव पर हैं। इनमें रिकर्व पुरुषों और महिलाओं के व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दो-दो कोटा जगहें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, रिकर्व मिश्रित टीम और कंपाउंड मिश्रित टीमों में से प्रत्येक को पुरुषों और महिलाओं का एक-एक कोटा मिलेगा, जिससे शीर्ष स्थान के लिए संघर्ष और बढ़ गया है।

रंग संसार

ढिंडोरा 2 अब नेटफिलक्स पर दस्तक देने को तैयार



मुंबई (ईएमएस)। दर्शक लंबे समय से अभिनेता भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज ढिंडोरा के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था, और अब, ढिंडोरा 2 एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यूट्यूब पर रिलीज हुई ढिंडोरा 2 सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। हाल ही में सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने बताया कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा।

भुवन बाम ने ढिंडोरा 2 बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, सीरीज ढिंडोरा मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है। भुवन ने जोर देते हुए कहा, ढिंडोरा 2 में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।

उन्होंने बताया कि सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यह था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके। भुवन ने आगे कहा, अब ढिंडोरा 2 जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूँ। उन्हें स्मोद है कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वे इस सीरीज को पसंद करते आए हैं, साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी। बीबीकेवी प्रोडक्शन्स के फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहित राज ने भी ढिंडोरा के इस सफर को खास बताया। उन्होंने कहा, एक इंडिपेंडेंट यूट्यूब सीरीज से नेटफिलक्स तक पहुंचना काफी बड़ा सफर रहा है।

दूसरे सीजन को बड़े लेवल पर बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन टीम ने यह भी ध्यान रखा कि पहले सीजन की वह मस्ती, पागलपन और पहचान कहीं खो न जाए। मालूम हो कि ढिंडोरा का पहला सीजन 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुआ था और उसे दर्शकों का काफी प्यार मिला था।

ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी, कहती हैं - अब प्रोजेक्ट्स के बीच अपनी जिंदगी जी पाती हूं

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री आशा नेगी इन दिनों अपनी वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में अलीशा निगम के किरदार से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि वह इस समय अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का भरपूर लुफ्त उठा रही हैं। उन्होंने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है, और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पदों पर लौटने का अवसर मिलता है। आशा नेगी ने अपनी अभिनय यात्रा और प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, मैं एक एक्टर हूँ और बस एक्टिंग करना चाहती हूँ। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूँ, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिलहाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूँ और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूँ क्योंकि यह एक-दो या तीन महीने में खत्म हो जाता है और फिर आप प्री हो जाते हो। उन्होंने विस्तार से बताया कि ओटीटी पर काम करने के बाद उन्हें अपनी जिंदगी को भी



बेहतर तरीके से जीने का मौका मिलता है। आशा नेगी ने कहा, फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।

‘अभिनेत्री आशा नेगी ने जोर देकर कहा कि उन्हें ए-एनए किरदारों को एक्सप्लोर करने की यह पूरी प्रक्रिया बेहद पसंद आ रही है, क्योंकि यह उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने और विभिन्न भूमिकाओं में ढलने का अवसर देती है। उनकी वर्तमान वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में, आशा नेगी ने अलीशा निगम नाम की एक गोस्ट वटर का दमदार किरदार निभाया है।



आलिया भट्ट की फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने जीता मां सोनी राजदान का दिल

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री आलिया भट्ट की नवीनतम रोमांटिक कॉमेडी फिल्म डॉट बी शाय ने शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दी, जिसके बाद उनकी मां और अनुभवी अभिनेत्री सोनी राजदान ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की स्क्रीनिंग की एक तस्वीर साझा करते हुए निर्देशक श्रीति मुखर्जी और फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखने वाले पाँच नए प्रतिभाशाली चेहरों को विशेष बधाई दी। उन्होंने लिखा, बधाई हो, ये एक शानदार फिल्म है और इसके साथ ही 5 नए टैलेंट ने इंडस्ट्री में कदम रखा है। श्रीति मुखर्जी को दिल से सलाम, दिल और पागलपन से भरी एक फिल्म बनाने के लिए। नए चेहरों की बेहद टैलेंटेड कास्ट ने इसे बखूबी निभाया है। यह फिल्म आलिया भट्ट के लिए निर्माता के तौर पर एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। उन्होंने अपनी नहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर अपने प्रोडक्शन हाउस इंटरनल सनशाइन प्रोडक्शन्स के बैनर तले इस फिल्म को रिलीज किया है। श्रीति मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुख्य रूप से चार नए कलाकारों आरुषि बजाज, अंश दुगल, बिर्याका अरोड़ा और पीयूष खाटी को दर्शकों के सामने लेकर आई है। इनके अलावा, अनुभवी कलाकार कुणाल रॉय कपूर, नेहा धूपिया और अनुपम बसु भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे कहानी को और गहराई मिलती है।

ऋतिक के साथ बनाये छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता के कैरियर की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। सफल कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और लेखिका के तौर पर आज प्राजक्ता कोली डिजिटल दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। प्राजक्ता कोली को मोस्टली सेन के नाम से जाना जाता है। कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और मिसमैट्स से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के क्रिएटर्स फॉर चेंज प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और पूर्व अमेरिकी फस्ट लेडी मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया। मालूम हो कि प्राजक्ता का सपना सिर्फ एक रैंडियो जॉकी बनने का था। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए वह एक रैंडियो स्टेशन में इंटरनिशरिप कर रही थीं। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि एक दिन रैंडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा पूरी तरह बदल देगा और उन्हें यूट्यूब की दुनिया में ले आएगा। हाल ही में पहला पहला के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह



ठाणे में पली-बढ़ीं और बचपन से ही रैंडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने रैंडियो स्टेशन में इंटरन के तौर पर काम करना शुरू किया। उस समय फिल्म बैंग बैंग रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए

रैंडियो स्टेशन आए थे। प्राजक्ता ने बताया, रैंडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वह एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गानों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटरन थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूँ। प्राजक्ता ने आगे बताया कि वह डांस करने के लिए तैयार हो गईं और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे, जिन्होंने डांस के बाद प्राजक्ता का ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। प्राजक्ता ने कहा, उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप उनके पास आए और पूछा कि क्या वह इस तरह के वीडियो बनाती हैं। प्राजक्ता ने साफ कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं करतीं। इसके बाद सुदीप ने उन्हें अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि उन्हें यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए।

